करें ताकि जो वहां पर कटाव होने वाला है, उससे लोगों को बचाया जा सके ।

इसके साथ ही साथ एक स्थायी तौर पर जो सारे कटाव हो रहे हैं, उसके लिए हल ढूंढना है और यह जो आपका टैकनालोजी मिशनरी है, उसकी तरफ से लोगों को भेज कर हमेशा के लिए उस कटाव की रोकथाम के लिए कोई अध्ययन करके सिफारिश की जाए ताकि सरकार उसे लागू करे और वहां के नागरिक, जो बेचारे बराबर परेशान हुआ करते हैं, उससे बच सके ।

मेरी दूसरी मांग यह है कि जो लोग निराश्रित है, जिनके घर चले गये हैं, उनके लिए जो कोई व्यवस्था नहीं हो रही है, कृपया सरकार, प्रदेश सरकार को निर्देशित करे क्योंकि अभी तक सरकार का ध्यान उधर नहीं है ।

सरकार तो, आपस में जो कुर्सी की होड़ है, उस को सुरक्षित रखने के चक्कर में पड़ी हुई है इसलिए उधर ध्यान ही नहीं है ।

जो मानवता का प्रश्न है, राहतदिलाने का प्रश्न है, संकट से उत्पन्न जो लोग परेशान है, उनकी आजीविका का जो सवाल है, उस व्यवस्था को ठीक ढंग से हल करने के लिए सरकार निर्देशित करे कि वहां पर उनकी राहत के लिए युद्ध स्तर पर सामान पहुंचाये और विशेषज्ञों की टीम भेज कर इस भाग को आगे करने से बचाने का काम करे ।

यही मेरा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है । धन्यवाद ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Baby, let the Minister hear what the Member saying.

आपकी बात मंत्री जी ने सुनी है ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश): मैं इसका समर्थन करता हूं । लाखों लोग तहस नहस हो जायेंगे, बेघरबार हो जायेंगे, बेरोजगार हो जायेंगे रहे हैं ।

इसलिए, राम नरेश यादव जी ने जो मांग की है, उस पर सरकार को विचार करना चाहिए और शीघ्र ही इस संबंध में कोई निर्णय लेना चाहिए ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: You please convey that sentiment *to* the Government.

Atrocities on Scheduled Castes in Pratapgarh Uttar Pradesh

श्री शिव प्रताप मिश्र (उत्तर प्रदेश) : महोदया, मैं आपके माध्यम से जनपद प्रतापगढ़, तहसील पट्टी, उत्तर प्रदेश में हरिजनों, हरिजन महिलाओं, उनके समर्थकों, उनके घर की बहू-बेटियों के ऊपर स्थानीय विधायक के संरक्षण में राम बली यादव के गिरोह से हुए अत्याचार की ओर इस सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । और उसका समाधान भी चाहता हूं । महोदया, स्वतंत्र भारत के महान शिल्पी, आजाद हिन्दुस्तान के सर्व प्रथम प्रधान मंत्री प० जवाहर लाल नेहरू जो आपके भी अभिभावक थे, उन्होंने सबसे पहला किसान आन्दोलन पट्टी जनपद प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश से आरम्भ किया था । उसी के पड़ोस में पहला सत्याग्रह से उनकी पत्नी स्व० श्रीमती कमला ने ने 1940 में महिला उद्धार आंदोलन शुरू किया था और वहीं से उन्होंने 1942 में "अंग्रेजो भारत छोड़ो" का नारा बुलन्द करके कमला जी जेल में गई थीं उसी स्थान पर इतनी बर्बरता और घृणा की सूचना वहां के हमारे बन्धु के पूर्व मंत्री राम किंकर जी, हमारे जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हाजी रमजान अली, वहां के मंत्री हरिनारायण त्रिपाठी और ब्लिटज के संवाददाता जो वहां गये और नवभारत टाइम्स के संवाददाता, सबकी सूचना के आधार पर मैं आपको वहां की घटनाओं की पुष्टि दे रहा हूं ।

उसी जनपद प्रतापगढ़ में तहसील पट्टी में वहां के वर्तमान विधायक के संरक्षण में राम बली यादव स्काउट मास्टर

[श्री शिव प्रताप मिश्र]

की षड़यंत्रकारी योजना के अंतर्गत जो बर्बरता का नग्न नृत्य हो रहा है वह शर्मनाक और निंदनीय है। रामबली यादव के गिरोह ने लक्ष्मू हरिजन की पतोहू को जीप से उतरवाकर बेइज्जत किया। शमशेर हरिजन का घर जलाया, खलिहान जलाया। ओंकार नाथ हरिजन का लड़का जो विद्यार्थी है जिसने उसका विरोध किया उसे पीटकर इतना आहत कर दिया है कि वह बचेगा नहीं। सूर्यबली यादव ने वहां पर हरिजनों का निकलना मुश्किल कर दिया है। राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह विधायक पूर्व भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री राम किंकर जी, हाजी रमजान अली, कांग्रेस अध्यक्ष महामंत्री हरिनारायण त्रिपाठी और वहां के जितने संभ्रांत लोग वहां गए उनसे ज्ञात हुआ है कि यह स्थानीय शासन की सुस्ती और वहां के जो विधायक हैं उनके संरक्षण से जो रामबली यादव का गिरोह है उससे इन हरिजन महिलाओं पर जो घटना हो रही है वह अत्याचारी घटना बड़ी निंदनीय है। यही नहीं जो हरिजन को संरक्षण दे रहे थे जैसे रामजी शर्मा, ग्राम प्रधान के चाचा राजपति शर्मा उन्हें इतना बुरी तरह से इस गिरोह ने आहत किया कि इलाहाबाद मेडिकल कालेज में उनकी मृत्यु हो गई। वहां के लोगों के अनुसार और ब्लिट्ज की रिपोर्ट के अनुसार कुछ समय पहले इसी प्रतापगढ़ जनपद में थाना महेरा गंज के तहत ग्राम जैसापुर में रामबली यादव वर्ग के कुछ लोगों ने श्री शिव सेवक शुक्ल की 18 वर्षीय बेटी लीलावती पर मिट्टी का तेल छिड़क कर आग लगा दी। वह इलाहाबाद मेडिकल कालेज में मर गई। मृत्यु के पूर्व उस लीलावती ने मजिस्ट्रेट के सामने जो अपना बयान दिया था उसमें उसने कहा है मिठऊ और बड़ेलाल यादव में से एक ने उसका मुंह दबाया, दूसरे ने मिट्टी का तेल छिड़क कर आग लगा दी। इस पर स्थानीय शासन मौन है और उत्तर प्रदेश सरकार आंख मूंद चुकी है।

महोदया, मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि आप गृह मंत्री, भारत सरकार से प्रतापगढ़ की हरिजन और महिला अत्याचार और लोगों की नृशंस हत्या की जांच करवा कर उचित कार्यवाही करवाने की कृपा करें। धन्यवाद।

श्री राम नरेश यादव : महोदया, यह बहुत ही नृशंस घटना है, अमानवीय घटना है।। इसलिए इस घटना की जांच सरकार से करानी चाहिए और जो दोषी व्यक्ति हैं उन्हें कड़े से कड़ा दंड देना चाहिए। मैं भी इसका समर्थन करता हूं, . . . (**व्यवधान**) ताकि लोगों के मन में यह तो भावना लगे कि हरिजनों का उत्पीड़न नहीं हो रहा है। बहुत ही खतरनाक स्थिति उत्तर प्रदेश में बन गई है। इसलिए महोदया, सरकार का ध्यान इस ओर जाना चाहिए।

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Minister of Parliamentary Affairs is here. He will convey the sentiments ofthe House.

जो हाउस की भावना है, उस भावना को वह सरकार तक पहुंचाएं और जो अत्याचारी हैं उसकी जांच कराकर जिनको सजा देनी है वह जरूर दिलाएं।

'THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI JAGDEEP DHAN-KHAR): Madam, I will convey the feelings of the House.

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश) : मैडम, इस बात पर ध्यान दें कि उत्तर प्रदेश सरकार अपराधियों को संरक्षण दे रही है। महोदया, यह भी ध्यान दें और सरकार का ध्यान दिलाएं कि उत्तर प्रदेश सरकार हर जगह अपराधियों को संरक्षण दे रही है। कोई जिला ऐसा नहीं बचा है जहां पर अपराधी लोगों की लूट-खसोट या हत्या, बलात्कार न कर रहे हों।

उपसभापति : वह आपकी भावना सरकार तक पहुंचा देंगे।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : अपराधियों को क्या सारी उत्तर प्रदेश सरकार संरक्षण दे रही है ?

उपसभापति : जो उनकी भावना है . . . . (**व्यवधान**) जानकारी करेंगे, मैंने कहा जानकारी करेंगे।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है । मेरा निवेदन यह है कि इन्होंने यह कहा कि संपूर्ण उत्तर प्रदेश की जो सरकार है वह अपराधियों का संरक्षण कर रही है और इस पर आपने जो व्यवस्था दी है कि माननीय मंत्री जी इनकी भावनाओं से सरकार को अवगत करा देंगे । मेरा निवेदन यह है कि, इनकी जो भावना है उसका कोई आधार नहीं है । इसके लिए किसी व्यक्ति को कहें, किसी मंत्री को कहें, जो अधिकारी हैं—उनको कहें, लेकिन सारी उत्तर प्रदेश की सरकार को . . . **(व्यवधान)** . . .

उपसभापति : मैंने यह कहा, आप कुछ देख रहे थे, आप पूरी बात सुनिए । मैंने कहा कि मंत्रीजी यह भावना सरकार को पहुंचाएं जोकि यहां हाऊस में उठायी है, जानकारी करें और जो अपराध हों, उनको सजा दे

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : पहले आपने कहा था ।

उपसभापति : बाद में भी वहीं बात कहीं ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : उस व्यवस्था के बाद सत्या बहिन ने यह प्रश्न उठाया ।

उपसभापति : अपराधी हैं तो उन्हें सजा मिलनी चाहिए । अपराधी नहीं होंगे तो सजा कैसे मिलेगी ?

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : सारी सरकार अपराधी है, यह कहना गलत है ।

उपसभापति : मालवीय जी, आप भी अपराधियों को नहीं बचाएंगे, इसलिए जो अपराधी हैं उन्हें पकड़े जाने दीजिए . . . (व्यवधान) . . मालवीय जी, जो अपराधी हैं, वे जरूर पकड़े जाने चाहिए और जो नहीं हैं वे तो छूट ही जाएंगे ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : सारी सरकार को अपराधी कहना–इसका कोई आधार नहीं है और जिस चीज का कोई आधार नहीं है, उस पर कोई व्यवस्था नहीं दी जानी चाहिए ।

श्रीमती सत्या बहिन : जो हत्याएं व बलात्कार बढ़ रहे हैं उसके लिए पूरी सरकार जिम्मेदार है ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : सरकार जिम्मेदार है, लेकिन सरकार अपराधियों को संरक्षण दे रही है, इसको मैं नहीं मानता ।

श्रीमती सत्या बहिन : महोदया मैं आरोप लगाती हूं कि सरकार संरक्षण दे रही है । इसकी जानकारी केन्द्रीय सरकार को होनी चाहिए । महोदया, इस बात के निर्देश दिए जाएं केन्द्र सरकार उनको हिदायत दे कि वह अपराधियों को मदद देना बंद करे । यह हर जिले में हो रहा है । मैं आपको प्रमाण देने के लिए तैयार हूं ।

श्री शांति त्यागी (उत्तरप्रदेश) : सब खुले बम हैं ।

उपसभापति : सरकार अपनी जिम्मेदारी को समझेगी ।

श्रीमती सत्या बहिन : दुःख यह है कि समझ नहीं रही है ।

श्री शांति त्यागी : कब तक समझेगी ?

उपसभापति : मैंने तो आज कह दिया है ।

[उपसभाध्यक्ष (श्री भास्कर अन्नाजी) पीठासीन हुए]

Situation arising out of anti-reservation agitation in Delhi

श्री कृष्ण लाल शर्मा (हिमाचल प्रदेश) : महोदया, मैं आज अपने विशेष उल्लेख के माध्यम से सरकार का ध्यान आरक्षण विरोधी आंदोलन से उपस्थित गंभीर परिस्थिति की ओर दिलाना चाहता हूं ।

जब मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने की घोषणा प्रधान मंत्री ने की थी तो उस समय भी यह आशंका व्यक्त की गई थी कि यह फैसला जल्दबाजी में किया जा रहा है । उसका जवाब देते हुए प्रधान मंत्री ने कहा था कि यह जल्दबाजी में नहीं किया जा रहा है । और इसका कनसेंसस बना है । मैं यह कहना चाहता हूं कि कंसेंसस तो बहुत-सी